University in News on 16 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

पोर्टल के माध्यम से मंगाए जाएंगे प्रश्नपत्र

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रश्नपत्र बनाने का काम लॉग इन आईडी के माध्यम से शिक्षक से सीधे पोर्टल पर लेने की व्यवस्था तैयार की जा रही है। इस व्यवस्था में प्रश्नपत्र मिलने में समय कम लगेगा तथा गोपनीयता भी ज्यादा होगी। विवि में एलएलबी पेपर लीक मामले के बाद लविवि इस नई व्यवस्था को लागू करने जा रहा है। इस संबध में बृहस्पतिवार को प्रेजेंटेशन किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय पोर्टल के माध्यम से नई व्यवस्था में शिक्षक को अपनी लॉग इन करके तैयार प्रश्नपत्र अपलोड कर देना होगा। लॉग इन करने के समय मोबाइल पर भेजे गए वन टाइम पासवर्ड से उसका सत्यापन किया जाएगा। शिक्षक के पास यह मौका होगा कि वह प्रश्नपत्र किसी भी प्रारूप में इस पर दे सकेगा। पहले की तरह उसे प्रश्नपत्र के तीन सेट भी नहीं भेजने होंगे। इस तरह से भेजे गए प्रश्नपत्र संबंधित परीक्षा नियंत्रक देख सकेगा। परीक्षा नियंत्रक के स्तर से इन्हें प्रिंट कराया जाएगा। हर स्तर पर उपयोगकर्ता का सत्यापन ओटीपी के माध्यम से होगा। पोर्टल के माध्यम से इसकी निगरानी आसान होगी कि कितने पेपर अभी तक नहीं आए हैं। पोर्टल पर ओटीपी व्यवस्था होने की वजह से इसमें गोपनीयता भी रहेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पेपर लीक कांड के बाद नई व्यवस्था पर विचार, आज होगा प्रजेंटेशन

विभागाध्यक्ष और संकाय अध्यक्ष से बनवाएंगे प्रश्नपत्र

लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रश्नपत्र तैयार करने की व्यवस्था अब केंद्रीय के बजाय विभागाध्यक्ष और संकाय अध्यक्ष स्तर से किया जाएगा। अभी तक यह जिम्मेदारी परीक्षा नियंत्रक के पास थी। नई व्यवस्था में स्नातक स्तर के प्रश्नपत्र तैयार कराने की जिम्मेदारी डीन और परास्नातक की विभागाध्यक्ष के पास रहेगी।

"व्यवस्था में तकनीक के इस्तेमाल से काम में तेजी आती है तथा गोपनीयता का स्तर भी बढ़ता है। इसीलिए प्रश्नपत्र मंगाने के लिए लॉगइन की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इस पर प्रजेंटेशन देखने के बाद अंतिम फैसला होगा। - **प्रो. आलोक कुमार** राय, कुलपति, लविवि

घर पर रहकर पति करते हैं लड़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लॉकडाउन की वजह से पति दिन भर घर पर ही रहते हैं। बात-बात पर नाराज हो जाते हैं तथा मारपीट भी करते हैं। बताइये हम क्या करें। राष्ट्रीय सेवा योजना की मुस्कुरायेगा इंडिया कार्यक्रम के तहत फोन के माध्यम से मानसिक समस्याओं के निराकरण के लिए शुरू की गई सेवा में इस तरह के काफी फोन आ रहे हैं। इसके साथ ही लॉकडाउन के दौरान मानसिक अवसाद तथा कोरोना होने का डर मन में बैठने के भी काफी मामले रोजाना दर्ज हो रहे हैं।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि लखनऊ विवि से 18 काउंसलरों की टीम 24 घंटे लोगों की समस्या सुनने के लिए लगी हुई है। इनमें घर में लड़ाई-झगड़े के साथ ही चिंता, तनाव, अवसाद, रात को नींद नहीं आना, घबराहट तथा स्वयं के कोरोना ग्रस्त होने जैसी आशंकाओं को लेकर आ रहे हैं। लोगों को इसका समाधान बताया जा रहा है। एक कॉलर ने कुछ दिनों से नींद न आने एवं मन घबराने की समस्या बताई, जिसके समाधान स्वरूप समय से सोने एवं जागने, समय से भोजन करने, व्यायाम करने एवं घर के सदस्यों के साथ घुलने मिलने की सलाह दी गई। एक अन्य कॉलर ने सवाल किया की उनके पिता कोरोना का समाचार देखकर परेशान होने लगते हैं। उन्हें सलाह दी गई कि वे कुछ दिन टेलीविजन पर समाचार न देखें तथा कोई अन्य रुचिकर कार्यक्रम देखें। एक व्यक्ति ने सवाल किया की उनके पिताजी पुलिस सेवा में हैं। उन्हें हमेशा यह भय बना रहता है कि कहीं उन्हें कोरोना न हो जाए। उनको बताया गया की अपने पिता से कहें की परेशान न हों अपनी ड्यूटी पूरी मुस्तैदी से निभाएं। आवश्यक यह है की सरकार द्वारा निर्देशित समस्त सावधानियों का पालन करें। मास्क लगाएं, हाथों को बराबर साफ करते रहें तथा घर वापसी के बाद नहायें एवं कपड़े विसंक्रमित करके ही दोबारा पहनें। घर पर झगड़ा करने वाले लोगों को बताया गया कि पति को समझाएं कि यह समय केवल कुछ दिन का है। यह बीतने के बाद स्थिति पहले की तरह हो जाएगी। एक अन्य ने कहा कि हम लोग बूढ़े हैं कोई हेल्पर नहीं आ रहा है। बच्चे दूसरे शहर में हैं बहुत डर लगता है, पता नहीं हम अपने परिवार से मिल पायेंगे की नहीं। डॉ. राकेश द्विवेदी के अनुसार काउंसलर सभी को समझा रहे हैं कि सब कुछ जल्द ही सामान्य हो जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के तहत मानसिक समस्याओं के निराकरण के लिए शुरू की गई सेवा पर बताई जा रहीं विभिन्न समस्याएं

बाहर से भी आ रहे हैं फोन

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि लखनऊ के साथ ही उत्तर प्रदेश के दूसरे शहरों तथा दूसरे प्रदेशों के साथ-साथ खाड़ी देश से भी कोरोना संक्रमण की आशंका में फोन आ चुके हैं। ज्यादातर फोन उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, फैजाबाद, अंबेडकर नगर, सीतापुर, बुलंदशहर, कानपुर, फिरोजाबाद से आ रहे हैं।

NBT Page 4

प्लेसमेंट सेल सॉफ्ट स्किल्स पर दे रही जोर

एलयू में हो रही है वेबलाइन वर्कशॉप

■ **एनबीटी, लखनऊ:** लॉकडाउन के दौरान एलयू के काउंसलिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल की ओर से करियर काउंसलिंग के लिए हो रही वेबलाइन वर्कशॉप बहुत लोकप्रिय होती जा रही है। इसमें एलयू और सम्बद्ध कॉलेजों के स्टूडेंट्स और शिक्षक जुड़ रहे हैं।

वेबलाइन वर्कशॉप में बुधवार को कॉरपोरेट एक्सपर्ट ज्योत्सना वाडिया ने व्यक्तिगत विकास और सॉफ्ट स्किल्स पर स्टूडेंट्स को सलाह दी। प्रो. एम प्रधान ने बताया कि स्टूडेंट्स को धैर्य कैसे रखना चाहिए। डॉ. आभा जोशी ने बताया कि स्टूडेंट्स अपनी पर्सनालिटी का भी विकास करें। सीपीसी की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने कहा कि यह सेल स्टूडेंट्स की परेशानियों को बखूबी हल कर रहा है। हर सेशन के बाद सीपीसी टीम के विशेषज्ञों के साथ ग्रुप और व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

सोलर एनर्जी के नए आयामों पर हुई चर्चा

■ **एनबीटी, लखनऊ:** एलयू के फैकल्टी ऑफ इंजिनियरिंग संकाय की ओर से बुधवार को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए व्याख्यान हुआ। ट्रेनिंग ऐंड प्लेसमेंट सेल की ओर से हुए व्याख्यान में रोहित मेहरोत्रा प्रॉजेक्ट हेड (ईआईसीटी) ने छात्रों को सोलर एनर्जी की मूलभूत अवधारणाओं और इसके नए आयामों के बारे में बताया।

Pioneer Page 4

लॉक डाउन में उपयोगी साबित हो रहा है एलयू का कैरियर काउंसिलिंग सेल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस के चलते लागू लॉक डाउन के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैरियर काउंसलिंग उपयोगी साबित हो रहा है। कोविड 19 लॉकडाउन के दौरान कैरियर के प्रति चिंतित छात्रों की समस्या प्रबंधन हेतु वेब वेबलाइनर के माध्यम से परामर्श के तीसरे दिन बुधवार को विश्वविद्यालय सहित विभिन्न कालेजों के छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

आज ज्योत्सना वाडिया ने व्यक्तिगत विकास और सॉफ्ट स्किल्स पर कॉरपोरेट एक्सपर्ट ने सॉफ्ट स्किल्स और करियर पर स्टूडेंट्स को सलाह दी कि लॉकडाउन के दौरान स्टूडेंट्स को समझाएं कि उनके कम्युनिकेशन स्किल्स पर काम करने का यह अच्छा समय है। जरूरत के मुताबिक उनकी पर्सनैलिटी के गुणों को बढ़ाएं। उनसे भर्ती करने वाली कंपनियों को उनसे क्या उम्मीद इस पर अभी से अपना व्यक्तित्व विकास करने की जरूरत है। प्रारंभ में प्रो एम प्रधान ने पहले ही बताया था कि छात्रों को धैर्य कैसे रखना चाहिए और अपने भविष्य के करियर के लिए चिंता नहीं करनी चाहिएए जब डॉ आभा जोशी ने छात्रों को यह बताया कि वे अपने सीवी लेखन के साथ साथ विकासशील व्यक्तित्व लक्षणों के साथ पहले सीखने के लिए कैसे काम करें। बहस में पड़ने से बचने का गुण को बखूबी समझाया। आने वाले सत्रों में और भी राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ शामिल होंगे । सीपीसी की निदेशक डॉ मधुरिमा लाल ने कहा कि हमने एलयू के छात्रों के लिए वेबलाइनर की योजना बनाई थीए लेकिन कॉलेजों के साथ साथ काउंसलिंग सत्रों में भाग लेने के लिए अनेक इंस्टिट्यूशन से भी लोग आ रहे हैं।

HINDUSTAN Page 4

"टेलीकॉम इंडस्ट्री में बूम आएगा चाहे वर्क फ्रोम होम हो या ऑनलाइन मीटिंग, यह सभी परिवर्तन स्थाई हैं। अब इंटरनेट आधारित इंडस्ट्री की मांग बढ़ेगी। चाहे ई-मार्केटिंग हो, ई-लर्निंग प्रोग्राम हो, या फिर आईटी एजुकेशन हो। - **प्रो. आलोक कुमार राय**, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

एनएसएस हेल्पलाइन

नींद न आना बनी समस्या, बच्चों में बढ़ रहा गुस्सा

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

समय पर नींद नहीं आ रही। घबराहट होती है कि कहीं कोरोना न हो जाऐ क्या हम सुरक्षित हैं...ऐसे कई सवाल हैं जो लोगों को आजकल परेशान किए हुए हैं। इनके जवाब देने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से शुरू की गई हेल्पलाइन काफी कारगर सिद्ध हो रही है।

एनएसएस लविवि के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राकेश द्विवेदी ने बताया कि विवि से 18 काउन्सलरों की टीम इस काम के लिए 24 घंटे उपलब्ध हैं।

- **कुछ दिनों से नींद न आने व मन घबराने की समस्या हो रही है।** सोने व जागने का समय निर्धारित करें। समय से भोजन, व्यायाम आदि करें व घर के सदस्यों के साथ घुले मिलें।
- **दिमाग में हमेशा डर बना रहता है।** टीवी पर आ रहे आध्यात्मिक कार्यक्रम या फिल्म देखें संगीत सुनना भी बेहतर विकल्प हो सकता है खुद को व्यस्त रखें। किसी शौक जैसे कि बागवानी या संगीत में समय बिताएं इससे भी मन का डर खत्म होगा।
- **पिताजी पुलिस सेवा में हैं। उनको लेकर डर बना रहता है।** डरने के बजाए आवश्यक है कि सरकार द्वारा निर्देशित सावधानियों का पालन करें मास्क लगाएं, हाथों को बराबर साफ करते रहें व घर वापसी के बाद नहाएं जरूर। कपड़े भी विसंक्रमित करके ही दोबारा पहने। इस बात पर गर्व करें कि आपके पिता देशवासियों के प्रति अपना फर्ज निभा रहे हैं।
- **पति के आजकल घर में रहने के कारण झगड़े हो रहे हैं।** पति को समझाएं कि यह समस्या कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी अधिक चिंता न करें। घर में परिवार के साथ अच्छा समय गुजारें।

विशेषज्ञ की सलाह

बच्चों पर न करें गुस्सा

लॉकडाउन से बच्चों के स्वभाव में चिड़चिड़ापन, गुस्सा बढ़ गया है। मनोवैज्ञानिक डॉ. संध्या द्विवेदी कहती हैं कि यह बदलाव स्वाभाविक है। अभिभावक बच्चों को व्यस्त करें। खुद व्यायाम करें और बच्चों को भी कराएं। रोज सुबह एक टास्क दें और उसे पूरा करने में मदद भी करें। कोरोना के खतरे के बारे में बताएं लेकिन डराएं नहीं।

The Pioneer Page 3

Counselling provided to students on anxiety mgmt

Lucknow (PNS): The counselling of career anxiety management during lockdown by LU is attracting more and more students and teachers. Various colleges are coming online to attend the online workshop. On Wednesday, Jyotsana Wadia, a corporate expert on personal development and soft skills explained that during lockdown, it is a good time for them to work on communication skills and enhancing personality traits in accordance with the requirements by recruiters. Madhurima Pradhan from LU explained how the students must have patience and should not worry about the future. Abha Joshi spoke on the students should work on CV writing along with developing personality traits. More learned experts will be joining in the forthcoming sessions.

Meanwhile, RDSO offered psychological counselling aid to staff and their family members through tele-appointment with the counsellors. RDSO director-general Virendra Kumar said Psycho-Technical Directorate of RDSO (Lucknow), in collaboration with other eminent psychologists, is offering counselling aid to RDSO personnel and their family members about any disturbing emotional issues. "As we all are going through the most trying times due to the coronavirus pandemic, it is important for people to maintain emotional balance in addition to adherence to safe practices. Those who are battling physical ailments are out for treatment but others staying at home have an enormous challenge to be in sound mental health being totally cut off from the mainstream with limited access. To overcome psychological issues related to anxiety, depression, adjustment problems etc and to restore overall well-being, absolute confidentiality between the client and counsellor will be maintained," an official communique stated.